विश्वविद्यालय एवं विभाग

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है जिसकी स्थापना सन् १९९७ में हिंदी भाषा एवं साहित्य में शिक्षा एवं शोध को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। वर्तमान में इस विश्वविद्यालय में आठ विद्यापीठ हैं –

- भाषा विद्यापीठ
- साहित्य विद्यापीठ
- संस्कृति विद्यापीठ
- अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ
- सृजन विद्यापीठ
- मानविकी एवं समाज विज्ञान विद्यापीठ
- शिक्षा विद्यापीठ
- प्रबंधन विद्यापीठ

अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग संस्कृति विद्यापीठ के अंतर्गत है।

प्रस्तावना

शोध ज्ञान की अभिवृद्धि का महत्वपूर्ण अंग है । शोध को किसी विषय विशेष से संबंधित वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित अध्ययन कहा जा सकता है । वस्तुत : शोध वैज्ञानिक अनुसंधान की कला है । कुछ विद्वान शोध को ज्ञात से अज्ञात की ओर जाने की प्रक्रिया मानते हैं। यह खोज की एक यात्रा है । हम सभी में प्रश्न करने की नैसर्गिक जिज्ञासा है । जब किसी अज्ञात तथ्य/विचार/कारण से हमारा सामना होता है, तब हमारी प्रश्नानुकूलता हमें उसे समझने की ओर ले जाती है। इस अज्ञात तथ्य/विचार/कारण की खोज हमें शोध की ओर ले जाती है जिसमें हम अपने मौजूद समस्तसिद्धांतों और प्रविधियों का सहारा लेते हैं।

अकादमिक क्षेत्र में शोध का काफी महत्व है। क्लिफोर्ड वुडी के अनुसार शोध में समस्या को परिभाषित करना; परिकल्पना निर्माण; आँकडें एकत्र, संगठित तथा विश्लेषित करना; शोध निष्कर्ष तक पहुँचना तथा निष्कर्षों को परिकल्पना की कसौटी पर कसना शामिल है ।

शोध वर्तमान ज्ञान में एक मौलिक योगदान है जो उसे अद्यतन बनाए रखने के लिए आवश्यक है ।शोध वैज्ञानिक और आगमनात्मक चिंतन की ओर ले जाता है और यह प्रवृत्ति तार्किकता एवं व्यवस्थित विचारों को प्रोत्साहित करती है। समाज विज्ञानी के लिए शोध विभिन्न सामाजिक समस्याओं के जवाब तलाशने तथा सामाजिक संबंधों के अध्ययन के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है ।

समाज विज्ञान के क्षेत्र में शोध एक ओर शोध से जुडे विचारों में वृद्धि करता है, वहीं दूसरी ओर किसी भी समस्या का जवाब प्रस्तुत कर सामाजिक समस्या का व्यावहारिक हल प्रस्तुत कर अपनी उपादेयता भी साबित करता है।

इसी पृष्ठभूमि में ' शोध प्रविधि: स्वरूप और सिद्धांत' विषय पर एक त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (२९-३१ अगस्त२०१२) का आयोजन किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में विमर्श हेतु निम्नलिखित बिंदु प्रस्तावित हैं :

- शोध प्रविधि (अंतरानुशासनिकता के विशेष संदर्भ में)
- आनुभविक शोध के आधार
- ऑकड़ा संकलन की तकनीकें
- ऑकड़ा संकलन की पद्धतियां
- शोध की नैतिकता

सारांश एवं शोध पत्र

शोध पत्र का सारांश २० अगस्त २०१२ तक seminarahimsa@gmail.com पर ईमेल के जरिए पहुँच जाना चाहिए। सारांश में निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए-

शब्द सीमा: अधिकतम ३०० शब्द

फॉइल फॉर्मेट: एमएस वर्ड

फॉण्ट: कृतिदेव/यूनिकोड मंगल

आकार: १६/१४

प्रतिभागी शोधपत्र के शीर्षक, अपने नाम/मोबाइल नम्बर तथा पते का उल्लेख अवश्य करें।

पंजीकरण

सभी प्रतिभागियों के लिए पंजीकरण अनिवार्य है । बाहर से आने वाले प्रतिभागियों के लिए कार्यक्रम स्थल पर पंजीकरण किया जाएगा जबकि स्थानीय प्रतिभागियों को २५ अगस्त २०१२ तक पंजीकरण कराना होगा । सभी प्रतिभागियों के लिए पंजीकरण शुल्क रूपये ३००/- (तीन सौ रूपये) निर्धारित है ।

शहर के बारे में

सेवाग्राम की प्रार्थना, पवनार का मोर्चा और आष्टी का क्रांतिकारी स्वतन्त्रता संघर्ष वर्धा जिले का प्राणतत्व है। १९३४ में महात्मा गाँधी वर्धा में आए। उन्होंने जमनालाल बजाज के साथ अपने कर्मक्षेत्र के रुप में सेगाँव को चुना। बाद में सेगाँव का नाम बदल कर सेवाग्राम हो गया। गांधी जी के आगमन के बाद वर्धा न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी प्रसिद्ध हो गया। भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन से जुडे कई महत्वपूर्ण निर्णय सेवाग्राम आश्रम में लिए गए। इसलिए सेवाग्राम को गैर-सरकारी राजधानी के रूप में जाना जाने लगा। विभिन्न धर्मो एवं देशों के प्रतिनिधि दल आश्रम आकर राजनीतिक, सामाजिक एवं धार्मिक मुद्दों पर गाँधी से समाधान पर चर्चा करते थे। ब्रिटिश गर्वनर लार्ड लोथियन वर्धा आए । चीन की चांग काई सेक, अमरीका के लुई फिशर आश्रम में आकर ही भारत की वास्तविक समस्याओं को समझ सके।

संगोष्ठी स्थल तक कैसे पहुँचे ?

वर्धा बस एवं रेलवे स्टेशन विश्वविद्यालय से ६ किलोमीटर की दूरी पर है । विश्वविद्यालय से सेवाग्राम रेलवे स्टेशन ८ कि.मी. और नागपुर रेलवे स्टेशन ८० कि.मी. तथा नागपुर हवाई अड्डा ७५ कि.मी. की दूरी पर है। नागपुर रेलवे स्टेशन से वर्धा अथवा सेवाग्राम के लिए नियमित अंतराल पर गाडियां उपलब्ध हैं।

संरक्षक

श्री विभूति नारायण राय
कुलपति

सह-संरक्षक

प्रो. ए. अरविंदाक्षन
प्रतिकुलपति

सलाहकार समिति

प्रो. मनोज कुमार
प्रो. सूरज पालीवाल
प्रो. अनिल कुमार राय
प्रो. सुरेश शर्मा
प्रो. लेला कारूण्यकारा
प्रो. के. के. सिंह
डॉ. शंभु कुमार गुप्त

संगोष्ठी संयोजक

डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी

आयोजन समिति

डॉ. डी. एन. प्रसाद
श्री राकेश कुमार मिश्र
डॉ. मनोज कुमार राय
सुश्री चित्रा माली

प्रबंध समिति

डॉ. अनिल कुमार पांडेय
डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी
श्री शंभू जोशी
श्री अमित राय
श्री शैलेश कदम मरजी
डॉ. वीरेन्द्र प्रताप यादव
डॉ. निशीथ राय
डॉ. रियाज हसन

आमंत्रण

त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

शोध प्रविधि : स्वरूप और सिद्धांत

२९-३१ अगस्त] २०१२

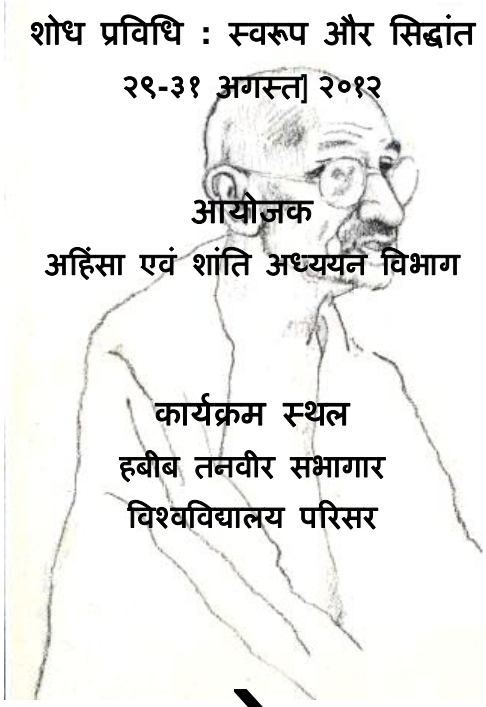

आयोजक

अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग

कार्यक्रम स्थल

हबीब तनवीर सभागार

विश्वविद्यालय परिसर

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्या

गांधी हिल्स, वर्धा ४४२००५

फोन : ०७१५२ – २३०३१३

मो. ०९९७०२५१०७३

बेवसाईट : www.hindivishwa.org

ई-मेल: seminarahimsa@gmail.com